XLRI in News

August 2018

PUBLICATION:Careers 360
DATE: August 2018
PAGE: 5

XLRI and IASCC to host 'IASCC Leadership Conclave'

A DIALOGUE between research and practice

Xavier School of Management will collaborate with the Institute for Advanced Studies in Complex Choices to host the 'IASCC Leadership Conclave' later this month. The leadership conclave aims to be a platform for a dialogue between research and practice. It will focus on building a shared perspective on the issue of current interest and outline the agenda for future research in the area. "The conclave is the first step in realizing our vision of advancing the science and practice of making choices for both individuals and organizations. We plan to invest in building an eco-system of organizations who share our purpose," said Prof. Anil K Sood, Founder IASCC.

PUBLICATION: Dainik Bhaskar,DB Star
DATE: 21 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में **टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम अवार्ड** समारोह कल

शहर के 65 स्कूलों की क्वालिटी जर्नी को कल मिलेगा सम्मान, 600 अंकों के जादुई आंकड़े पार करने वाले स्कूल को मिलेगा जेजे ईरानी अवार्ड

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर दिया जाने वाला टाटा स्टील एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड समारोह बुधवार 22 अगस्त को एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि मॉडर्न एकेडमी ऑफ कंटीन्यूइंग एजुकेशन कोलकाता की संस्थापक निदेशक देवी कर होंगी। मौके पर टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक और सीईओ टीवी नरेन्द्रन भी मौजूद रहेंगे। समारोह में पिछले साल टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम में भाग लेने वाले स्कूलों की उपलब्धियों को सेलिब्रेट किया जाएगा। 2003 से चल रहे इस प्रोग्राम के अन्तर्गत अब तक शहर के 65 स्कूलों को शामिल किया गया है। इस प्रोग्राम का लाभ साढ़े तीन हजार शिक्षकों के साथ ही एक लाख विद्यार्थियों को मिला है।

बाद में शहर के स्कूलों के साथ ही ग्रामीण स्कूलों को भी इस प्रोग्राम का हिस्सा बनाया गया। इस प्रोग्राम में भाग लेने वाले जो स्कूल 600 के आंकड़े को पार करते हैं, उन्हें डॉ.जे जे ईरानी अवार्ड फॉर एक्सीलेंस से नवाजा जाता है। अवार्ड पाने वाले स्कूल को टाटा स्टील ढांचागत संरचना के साथ ही गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए 5 लाख रुपए से ज्यादा का नकद अवार्ड देता है।

पिछले साल केरला समाजम और बाग ए जमशेद को मिला था अवार्ड

2017 में केरला समाजम मॉडल स्कूल (केएसएमएस) साकची और बाग ए जमशेद बिष्टुपुर लगातार दूसरे साल अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता को बरकरार रखते हुए डॉ.जे जे ईरानी अवार्ड फॉर एक्सीलेंस एजुकेशन को प्राप्त करने में सफलता पायी थी। इन स्कूलों ने 600 अंकों का स्कोर बैंड पार किया था। इस साल टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम में 53 स्कूलों की जर्नी रही थी। अलग-अलग श्रेणियों में इन्हें पुरस्कृत किया गया। इनोवेटिव टीचिंग से लेकर विद्यार्थियों की अनोखी पहल, असफलता से सीखने की क्षमता और बेहतरीन शिक्षण प्रणाली के लिए सम्मानित किया गया।

ऐसे मिलता है अवार्ड

▪ टीईईपी रेगुलर प्रोग्राम
टीईईपी रेगुलर प्रोग्राम के तहत स्कूलों का मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन के कुल अंक 1000 होते हैं। 600 अंक प्राप्त करने वाले को डॉ.जे जे ईरानी अवार्ड दिया जाता है। यह अवार्ड अलग-अलग स्कोर बैंड में दिया जाता है।

▪ टीईईपी बेसिक प्रोग्राम
टीईईपी बेसिक प्रोग्राम के तहत स्कूलों की गुणवत्ता का मूल्यांकन प्रारंभिक स्तर पर किया गया। इसके तहत बेसिक चेकलिस्ट का इस्तेमाल किया गया। 90 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वाले स्कूलों को सम्मानित किया जाता है।

▪ टीईईपी सरल प्रोग्रामः टीईईपी सरल प्रोग्राम के तहत ग्रामीण और सरकारी स्कूलों को पुरस्कृत किया जाता है। 90 से अधिक अंक लाने वाले स्कूलों को मिलता है अवार्ड। टीईईपी इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट्स। साथ ही इक्विप, डेयर टू ट्राइ, इनोटीटिंग, पंख और पर्ल केटेगरी में अवार्ड दिया जाता है। इक्विप के तहत अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के लिए स्कूलों को पुरस्कृत किया जाता है।

मूल्यांकन का आधार

- लीडरशिप (नेतृत्व क्षमता
- प्लानिंग (योजना
- पैरेंट, स्टूडेंट एंड शेयरहोल्डर (अभिभावक, विद्यार्थी और शेयरधारक
- शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी
- स्कूल ऑपरेशन्स
- रिजल्ट

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 23 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

जेएच तारापोर धतकीडीह और तारापोर स्कूल एग्रिको की प्रिंसिपल को डॉ.जेजे ईरानी अवॉर्ड देते टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन।

एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में डॉ.जेजे ईरानी एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवॉर्ड

रेगुलर प्रोग्राम में 600 से ज्यादा अंक लाने पर जेएच तारापोर धातकीडीह व तारापोर स्कूल एग्रिको को मिला अवॉर्ड

दस साल बाद बोर्ड का अस्तित्व खत्म हो जाएगा
- देवी कर

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

बेली बोधनवाला द्वारा संचालित शहर के दो स्कूल-जेएच तारापोर धातकीडीह और तारापोर स्कूल एग्रीको को इस साल डॉ.जे जे ईरानी अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन एजुकेशन मिला। बुधवार को एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक (एमडी) सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टीवी नरेन्द्रन ने यह अवार्ड दिया। टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम (टीप) के रेगुलर प्रोग्राम में 600 से ज्यादा अंक लाने वाले इन दोनों स्कूल को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। पिछले साल केरला समाजम मॉडल स्कूल और बाग ए जमशेद को यह अवार्ड मिला था। उल्लेखनीय है कि एक हजार अंक में 600 से ज्यादा अंक लाने वाले स्कूल को डॉ.जेजे ईरानी एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा जाता है।

एमडी ने कहा कि यह अवार्ड स्कूलों की जिम्मेवारियों को बढ़ाता है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि क्वालिटी के इस जर्नी में जिन स्कूलों को अवार्ड मिला है, वे अपनी पढ़ाई और बेस्ट प्रैक्टिस को भी प्रदर्शित भी करेंगे। मौके पर टाटा स्टील के वीपी (कारपोरेट सर्विसेस) सुनील भास्करन समेत काफी संख्या में स्कूलों के प्रिंसिपल, शिक्षक और स्टूडेंट्स मौजूद थे। इनोवेटिंग टीचिंग के लिए सात स्कूलों को सम्मानित किया गया। इसके तहत स्कूल के वैसे प्रोजेक्ट्स को पुरस्कृत किया गया, जो इनोवेटिव हैं। इसमें गुलमोहर हाई स्कूल के दो प्रोजेक्ट्स थे। इसके अलावा फिजिक्स को इनोवेटिव तरीके से पढ़ाने के लिए जुस्को स्कूल साउथ पार्क, तारापोर स्कूल एग्रीको, माउंट लिटरा जी स्कूल, सामुदायिक उच्च विद्यालय बारीगोड़ा, विद्या सागर उच्च विद्यालय बामनगोड़ा है।

सूचना को ज्ञान में बदलने का हुनर हमारे पास होना चाहिए-टीवी नरेन्द्रन

टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि शिक्षा में तेजी से बदलाव आया है। पहले शिक्षक सूचना के स्त्रोत हुआ करते थे, लेकिन आज तकनीक की बदौलत अंगुलियों पर सूचना का पूरा संसार है। इस सूचना को ज्ञान में बदलने का हुनर हमारे पास होना चाहिए। नरेन्द्रन ने शिक्षा को रोजगारपरक बनाने पर भी जोर दिया। समारोह की मुख्य वक्ता मॉडर्न एकेडमी ऑफ कंटीन्यूइंग एजुकेशन कोलकाता की संस्थापक देवी कर ने 21 वीं सदी की शिक्षा की भावी तस्वीर पेश की। शिक्षा, परीक्षा उन्मुख (एक्जाम सेंट्रिक) की बजाय, लर्निंग एंड केयरिंग सेंट्रिक होगी। कर ने शिक्षकों को शिक्षा को लेकर अपने नजरिए में बदलाव करने को कहा। उन्होंने कहा कि देश का 70 फीसदी स्नातक रोजगार पाने के लायक नहीं होता। शिक्षक आउट डेटेड हो गये हैं। उन्होंने भावी शिक्षा के लिए तीन टिप्स बताए।

स्कूल प्रिंसिपल को अवॉर्ड देते देवी कर और टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेस) सुनील भास्करन।

- **शिक्षा पद्धति और शिक्षकों में बदलाव जरूरी**-देवी कर ने कहा कि हमें शिक्षा पद्धति के साथ ही शिक्षकों में भी बदलाव लाना होगा। आज जो शिक्षक हैं वे विद्यार्थियों के पढ़ाने की दक्षता नहीं रखते। उन्होंने शिक्षा में स्वायत्तता की सिफारिश की।
- विद्यार्थियों को डिजिटल एज के लिए तैयार करना- आज के विद्यार्थियों को डिजिटल एज के लिए तैयार करना होगा। पर्सनल कम्प्यूटर एज से आर्टिफिशियल इंटलेजीन्स (एआई) एज में पहुंच गये हैं। ऐसा लग रहा है कि रोबोट हम भी राज करेगा। ऐसे में तकनीक के दुष्प्रभाव को भी गंभीरता से लेना होगा।
- विद्यार्थियों में मूल्यों का संवर्धन जरूरी-विद्यार्थियों में मूल्यों का संवर्धन करना होगा। यह तभी होगा जब शिक्षक और अभिभावक खुद रोल मॉडल बने। उन्होंने वैल्यू एजुकेशन को क्लासरूम से बाहर लाने पर जोर दिया।

रेगुलर प्रोग्राम में 11 स्कूलों को मिला अवॉर्ड

इस साल टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस प्रोग्राम में 11 स्कूलों को सम्मानित किया गया। इसमें 21 स्कूलों ने भाग लिया था। 350-399 स्कोर बैंड में इस साल किसी भी स्कूल को सम्मान नहीं मिला।

रेगुलर प्रोग्राम: • शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए जे जे ईरानी अवार्ड - 600 पार - जेएच तारापोर स्कूल धातकीडीह और तारापोर स्कूल एग्रीको • शिक्षा में उत्कृष्टता का पुरस्कार-550-559- जुस्को स्कूल कदमा और मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल • अद्वितीय उल्लेखनीय अवार्ड- 500-549- केपीएस मानगो और जुस्को स्कूल साउथ पार्क • महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए अवार्ड- 450-499- विद्या भारती चिन्मया विद्यालय, केपीएस बर्मामाइंस और संत नंदलाल विद्या मंदिर • प्रतिबद्धता के लिए अवार्ड- 400-449- काशीडीह हाई स्कूल और आरएमएस हाई स्कूल खूंटाडीह • प्रतिबद्धता के लिए प्रशस्ति-350-399-किसी को नहीं मिला।

पांच स्कूल को मिला पंख अवॉर्ड

पंख के लिए 21 प्रोजेक्ट आए, जिसमें से 5 स्कूलों को उनके प्रोजेक्ट्स के लिए सम्मानित किया गया। ये स्कूल हैं-जेएच तारापोर स्कूल, केपीएस गम्हरिया, केपीएस कदमा, केरला समाजम मॉडल स्कूल और सामुदायिक उच्च विद्यालय बारीगोड़ा।

छह क्लबों को सम्मानित किया गया ये क्लब हैं-इन्टरेक्ट क्लब ऑफ एआईडब्ल्यूसी एक्सीलेंस एन एजुकेशन, इन्वायरमेंट क्लब ऑफ जेएच तारापोर, सेफ्टी क्लब ऑफ जुस्को स्कूल कदमा, कलम क्लब ऑफ केपीएस गम्हरिया और जोक क्लब ऑफ केपीएस गम्हरिया।

एक्सीलेंस इन टीचिंग अवॉर्ड: वर्णाली चटर्जी (केपीएस बर्मामाइंस), सुजाता सिंह (केरला समाजम मॉडल स्कूल साकची), आर.इन्द्रा प्रियदर्शनी (तारापोर स्कूल एग्रीको) और राथा माइकल (तारापोर स्कूल एग्रीको)। **पर्ल अवार्ड**- सेंट मेरी स्कूल नोवामुंडी।

प्रोब्लम सोल्विंग एबिलिटी अवॉर्ड: गुलमोहर हाई स्कूल, जुस्को स्कूल साउथ पार्क, केपीएस गम्हरिया, केरला समाजम मॉडल स्कूल और केपीएस एचएमएल। **डेयर टू ट्राई सम्मान**-स्पेशल बच्चों को पढ़ाने के लिए जुस्को स्कूल कदमा को अवार्ड मिला।

सरल अवॉर्ड: आदर्श मध्य विद्यालय, जीईएल चर्च स्कूल, सिलपहाड़ी हाई स्कूल, टिनप्लेट आन्ध्रा मिडिल स्कूल, टिनप्लेट मुस्लिम मिडिल स्कूल, टिनप्लेट यूनियन महिला कॉलेज, प्राइमरी स्कूल जसकनडीह, प्राइमरी स्कूल केरो, उत्क्रमित हाई स्कूल राजडोहा और उत्क्रमित हाई स्कूल लोवाडीह।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar
DATE: 14 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

एक्सएलआरआई में नेशनल लाइब्रेरियन डे मना

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई जमशेदपुर में सोमवार को नेशनल लाइब्रेरियन डे मनाया गया। इसके तहत संस्थान के सर जहांगीर घांदी लाइब्रेरी में डॉ. एसआर रंगनाथन के चित्र को भी लगाया गया। लाइब्रेरी के शंकर गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि फादर ओसवाल्ड मैसकरान्हास ने लाइब्रेरी साइंस के पांच नियम बताए। लाइब्रेरी प्रमुख डीटी एडविन ने बताया कि यह लाइब्रेरी डॉ. रंगनाथन का सपना है। मौके पर संस्थान की आईटी टीम ने लाइब्रेरी नॉलेज पोर्टल को लांच की।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 17 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीक का इस्तेमाल जरूरी : भावेश शाह

एक्सएलआरआई का मुंबई में लीडरशिप कॉन्क्लेव

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने इन्स्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन कॉम्पलेक्स च्वाइसेस के साथ मिलकर मुंबई में लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन किया। दो दिन के इस कॉन्क्लेव में कार्पोरेट वर्ल्ड की मशहूर हस्तियां शामिल हुईं। इनमें जॉन्सन एंड जॉन्सन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट भावेश शाह, एक्सएलआरआई के प्रोफेसर डॉ. पी वेणुगोपाल, प्रोफेसर अनिल सूद शामिल हुए। समारोह में भारत के विकास में बाधक उन वजहों को तलाशा गया, जिसकी वजह से विकास को गति नहीं मिल पा रही है। भावेश शाह ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया ताकि इस क्षेत्र की सेवा को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि तकनीक को हमें एक अवसर के रूप में इस्तेमाल करना होगा।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 20 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई : ऑन्सम्बल-वालहल्ला-18 शुरू

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई जमशेदपुर के मेगा फेस्ट ऑन्सम्बल-वालहल्ला-18 का औपचारिक आगाज रविवार को जमशेदपुर रन से हुआ। रन में शहर के स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ आम लोगों ने दौड़ लगाई। इनकी संख्या एक हजार से ज्यादा थी। दो केटेगरी में आयोजित इस रन के नन स्कूल केटेगरी के विजेता खेला सोरेन और लक्ष्मण बानरा रहे। स्कूले बालक और बालिका वर्ग में लक्ष्मण सोरेन और पार्वती टुडू विजेता रहे।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 20 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआइ के तत्वावधान में आयोजित जमशेदपुर रन में भाग लेने वाले विद्यार्थी ● जागरण

जमशेदपुर रन में दिखा युवाओं का उत्साह

जासं, जमशेदपुर: एक्सएलआरआइ के तत्वावधान में रविवार को आयोजित जमशेदपुर रन का आयोजन किया गया। आयोजन का यह नौवां वर्ष था, जिसमें शहरवासियों का भरपूर उत्साह देखने को मिला। भारी भीड़ के बीच गैर स्कूल वर्ग में खेला सोरेन और लक्ष्मण बानरा तथा स्कूली वर्ग में लखन सोरेन और पार्वती टुडू ने सबसे तेज दौड़ लगाते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। एक घंटे तक चली इस दौड़ में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने हार-जीत की चिंता सेहत की तंदुरुस्ती के लिए दौड़ को खूफ इंज्वाय किया।

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 22 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

कुशल उपयोग एवं रिसाइक्लिंग करने से खत्म होगी आयात पर निर्भरता : चोपड़ा

जासं, जमशेदपुर : उत्पादन क्षेत्र में मांग पूरी करने के लिए भारत अब भी आयात पर निर्भर है। अपना देश एंटीमोनी, निकेल, मैग्नेसाइट, तांबा, मोलिब्डेनम, फॉस्फेट, कोबाल्ट और तेल का बड़ा आयातक है। ऐसे में प्राथमिक सामग्री का कुशलतापूर्वक उपयोग, अपशिष्ट, पुनः उपयोग और रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देना होगा, यह कहना था ईयू-आरईआइ की उप कार्यक्रम निदेशक डॉ. रचना अरोड़ा का। एक्सएलआरआइ, टाटा स्टील और जीआइजेड इंडिया (यूरोपीय यूनियन) के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को संसाधन दक्षता और अर्थव्यवस्था पर एक्सएलआरआइ परिसर में आयोजित कार्यशाला में डॉ. रचना चोपड़ा ने कहा कि हम पर्यावरण को संरक्षित करते हुए ही विकास की सही रूपरेखा खींच सकते हैं, इसके लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास चल रहा है। इस अवसर पर एक्सएलआरआइ के प्रोफेसर कल्याण भाष्कर ने कहा कि यूरोपीय यूनियन पिछले तीन साल से संसाधन दक्षता और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है। परियोजना चार मुख्य क्षेत्रों, गतिशीलता, अक्षय ऊर्जा, अपशिष्ट और निर्माण पर केंद्रित है। इस दौरान ईयू-आरईआइ के निदेशक डाइटर मुट्ज़ ने संसाधनों और परिपत्र अर्थव्यवस्था के कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए यूरोप में उठाए गए उद्योग और नीतिगत पहल की जानकारी दी।

PUBLICATION: Dainik Jagran,City
DATE: 23 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

तारापोर व जेएच तारापोर को डॉ. जेजे ईरानी अवार्ड

टाटा स्टील एजुकेशन एक्सेलेंस पुरस्कारों की घोषणा, जुस्को कदमा व एमएनपीएस स्कूल की उत्कृष्टता में उत्कृष्ट उपलब्धि

सिर्फ परीक्षा की तैयारी न कराएं स्कूल : देवी कर

तकनीक व व्यापार के साथ बदल रही शिक्षा : नरेंद्रन

एक्सेलेंस अवार्ड

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 14 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

याद किए गए लाइब्रेरी साइंस के जनक

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ में सोमवार को नेशनल लाइब्रेरियन डे का आयोजन किया गया। संस्थान के सर जहांगीर घांदी लाइब्रेरी में कार्यक्रम का उदघाटन एक्सएलआरआइ के प्रोफेसर फादर ओसवाल्ड मैसक्रनहास ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान बताया गया कि लाईब्रेरी साइंस के जनक डॉ. एसआर रंगनाथन की याद में यह दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम में एक्सएलआरआई के हेड लाइब्रेरियन ईडी एडविन ने कहा कि लाइब्रेरियन का काम पुस्तकों की ठीक से देखभाल कर इन्हे संरक्षित करना है। डिजिटल युग में लाइब्रेरियन के कार्य-दायित्व में तेजी से बदलाव हो रहा है। इस दौरान शंकर गुप्ता, प्रवीण शांडिल्य समेत कई लोग मौजूद थे। इस अवसर पर एक्सएलआरआइ की आइटी टीम की ओर से अपडेट लाइब्रेरी पोर्टल लांच किया गया। इस पोर्टल के जरिए संसाधन व सेवा में काफी सहूलियत होगी।

समारोह का उद्घाटन करते अतिथि ● जागरण

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 21 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

पर्यावरण को संरक्षित कर ही हो विकास : अरोड़ा

जासं, जमशेदपुर : भारत उत्पादन क्षेत्र में मांग पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। भारत एंटीमोनी, निकेल, मैग्नेसाइट, तांबा, मोलिब्डेनम, फॉस्फेट, कोबाल्ट और तेल का बड़ा आयातक है। ऐसे में प्राथमिक सामग्री का कुशलतापूर्वक उपयोग करना, अपशिष्ट, पुनःउपयोग और रिसाइकिलिंग को बढ़ावा देना होगा, यह कहना था इयू-आरइआइ की उपकार्यक्रम निदेशक डॉ रचना अरोड़ा का। एक्सएलआरआइ, टाटा स्टील और जीआईजेड इंडिया(यूरोपीय यूनियन) के संयुक्त तत्वावधान में संसाधन दक्षता और अर्थव्यवस्था पर संस्थान परिसर में आयोजित कार्यशाला में डॉ. रचना चोपड़ा ने कहा कि हम पर्यावरण को संरक्षित करते हुए ही विकास की सही रूपरेखा खींच सकते हैं, इसके लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास चल रहा है। प्रोफेसर कल्याण भाष्कर ने कहा कि यूरोपीय यूनियन पिछले तीन साल से संसाधन दक्षता और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। इयू-आरइआइ के निदेशक डाइटर मुट्ज़ ने संसाधनों और परिपत्र अर्थव्यवस्था के कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए यूरोप में उठाए गए उद्योग और नीतिगत पहलों के बारे में बात की। इस दौरान फादर नेल्सनने क्सएलआरआइ में बायोगैस संयंत्र की स्थापना, परिसर के अंदर छत पर सौर पैनल की स्थापना, वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंध परिसर में छात्र और साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण की ओर संस्थान अग्रसर है।

PUBLICATION:Hindustan Times
DATE: 2 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

Finance commission team holds meeting with representatives of Jharkhand's elected bodies

FIELD WORK The team is in state on a 3-day visit to fathom people's aspirations living in the cities and villages

HT Correspondent
jharkhand@hindustantimes.com

RANCHI: The 15th finance commission on Wednesday fathomed the aspirations of the local bodies of Jharkhand – both urban and rural besides while meeting the representatives.

The representatives of the elected bodies during the meeting with the chairman and members of the commission demanded more financial aids by the Centre for improving basic amenities concerning civic issues while detailing their future plans.

Several representatives also submitted memorandums demanding strict execution of provisions under the fifth schedule and Panchayati Raj Extension to the Scheduled Areas (PESA) Act.

The commission led by Chairman NK Singh is in Jharkhand on a three-day visit to fathom people's aspirations living in the cities and villages besides understanding the wishes of trade and industries and the state government.

Meeting the representatives of urban local bodies (ULBs) and rural local bodies (RLBs) on Wednesday, the commission gave patient hearing to them.

While some demanded special packages for their respective local bodies, others raised specific issues and pleaded for central grants.

"We demanded special packages for gram panchayats, panchayat samitis and zila parishads for basic amenities and overall growth.

The gram panchayat takes up development works in a particular village or panchayat, the panchayat samiti is responsible for developing areas linking two villages or panchayats and the zila parishad takes care of areas linking two blocks.

Unless funds are separately earmarked for each of these bodies, the real goals of positive growth cannot be achieved," said Koderma zila parishad chairperson Shalini Gupta.

Dhanbad mayor Shekhar Agrawal stressed on clean drinking water for all and adequate supply. He mentioned that that geographical area and population of cities or villages should not be the criteria to fix quantum of financial aids. The Dhanbad mayor demanded Rs 600 crore special package.

He also pointed out that quality life can arrest large scale migration that is frequent in urban areas. Our youths prefer fleeing to metropolitan cities searching jobs than struggling in Jharkhnd cities, he said.

Citing examples, he said that three types of water – milky white, muddy red and black water were now commonly available in Jharkhand. Milky white in mica mining zones, muddy red in iron ore mining zones and black in coal mining areas. Installing adequate numbers of water treatment plants ought to be given priority over sewerage and drainage projects or waste disposal plants.

Ranchi mayor Asha Lakra too pointed out water woes in the state capital and depleting ground water levels. Widening of arterial roads and sanitation projects should be given special attention by the fifteenth finance commission, she said.

"We expect new challenges and thus requested that whatever we could not gain during the tenure of the 14th finance commission should be taken care of by the 15th finance commission," she added.

Potka panchayat mukhiya Sushil Dipankari Saradar through a memorandum demanded strict execution of PESA and provisions meant for areas governed under the fifth scheduled.

The mukhiya also demanded for release of funds in tune with the provisions meant for panchayati raj institutions.

The commission will meet chief minister Raghubar Das and his ministerial colleagues besides representatives of political parties on Thursday before leaving for Jamshedpur where it will listen to the representatives of trade and industries and interact with XLRI students on Friday.

15th finance commission Chairman N K Singh along with the team members presiding over a meeting of the local bodies of the state in Ranchi on Wednesday. DIWAKAR PRASAD/ HT PHOTO

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 14 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई में लाइब्रेरीरियन डे मना

जमशेदपुर (सं.)। एक्सएलआरआई में सोमवार को नेशनल लाइब्रेरीरियन डे मनाया गया। इस दौरान कार्यक्रम का उद्घाटन एक्सएलआरआई के प्रोफेसर फादर ओसवाल्ड मैसक्रानहास ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान बताया गया कि लाइब्रेरी साइंस के जनक डॉ. एसआर रंगनाथन की याद में यह दिवस मनाया जाता है। एक्सएलआरआई के हेड लाइब्रेरीरियन ईडी एडविन ने कहा कि लाइब्रेरियन का काम पुस्तकों को संरक्षित करना भी है। इस दौरान शंकर गुप्ता, प्रवीण शांडिल्य समेत कई लोग मौजूद थे।

PUBLICATION:Hindustan
DATE: 15 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

जैट 6 जनवरी को, 20 अगस्त से रजिस्ट्रेशन

जमशेदपुर(सं.)। जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई) में नामांकन के लिए 6 जनवरी, 2019 को जेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट (जैट) होगा। प्रवेश परीक्षा तीन घंटे की होगी, जिसका समय सुबह 10 बजे से लेकर एक बजे तक होगा। इस परीक्षा के पैटर्न में बदलाव भी किया गया है। जानकारी के अनुसार इस बार निबंध लेखन नहीं होगा। जैट के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 20 अगस्त से शुरू हो जाएगी। परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी। प्रवेश परीक्षा में मिले स्कोर के हिसाब से मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 21 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

आयातित सामग्री का सही इस्तेमाल जरूरी

कार्यशाला

जमशेदपुर | संवाददाता

एक्सएलआरआई में सोमवार को कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता। • हिन्दुस्तान

ईयू-आरईआई की उप कार्यक्रम निदेशक डॉ .रचना अरोड़ा ने कहा कि भारत उत्पादन क्षेत्र में मांग पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। भारत मैग्नेसाइट , तांबा, मोलिब्डेनम , फॉस्फेट , कोबाल्ट और तेल का बड़ा आयातक है। ऐसे में यह जरूरी है कि आयाततित सामग्री का कुशलतापूर्वक उपयोग हो। वे एक्सएलआरआई में संसाधन दक्षता और अर्थव्यवस्था पर सोमवार को कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

एक्सएलआरआई, टाटा स्टील और जीआईजेड इंडिया(यूरोपीय यूनियन) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में डॉ. चोपड़ा ने कहा कि आयातित सामग्री के अपशिष्ट का पुनः उपयोग और रिसाइकिलिंग को बढ़ावा देना भी आवश्यक है।

एक्सएलआरआई के प्रो. कल्याण भाष्कर ने कहा कि परियोजना चार मुख्य क्षेत्रों, गतिशीलता, अक्षय ऊर्जा, अपशिष्ट, और निर्माण के निर्माण पर केंद्रित है। इस दौरान ईयू-आरईआई के निदेशक डाइटर मुट्ज़ ने संसाधनों और परिपत्र अर्थव्यवस्था के कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए यूरोप में उठाए गए उद्योग और नीतिगत पहलों के बारे में बात की। एक्सएलआरआई के फादर नेल्सन ने कहा कि बायोगैस संयंत्र सौर पैनल , साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया गया है। उमेश सिंह और रघु राम ने भी अपने विचार रखें।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 22 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

आज मिलेगा डॉ. जेजे ईरानी पुरस्कार

जमशेदपुर (सं.)। टाटा स्टील एजुकेशन एक्सीलेंस पुरस्कार समारोह बुधवार को एक्सएलआरआई में होगा। मुख्य अतिथि टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेन्द्रन होंगे। स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए डॉ. जेजे ईरानी पुरस्कार समेत कई वर्ग में स्कूलों को पुरस्कृत किया जाएगा।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 22 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई में व्याख्यान देंगे ज्या द्रेज

जमशेदपुर (सं.)।
एक्सएलआरआई में 23 अक्टूबर को स्वर्गीय वर्गिस कुरियन की स्मृति में व्याख्यान माला का आयोजन होगा। मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्या द्रेज हिस्सा लेंगे। वह आज के दौर में सतत विकास के लिए सामाजिक सहयोग कितना आवश्यक है, इस विषय पर अपनी बातों को रखेंगे।

PUBLICATION: Inext
DATE: 15 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

जेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट 6 जनवरी को, 20 अगस्त से होगा रजिस्ट्रेशन

- प्रवेश परीक्षा सुबह 10 बजे से लेकर एक बजे तक होगी
- इस बार निबंध लेखन नहीं होगा

JAMSHEDPUR (14 Aug, JNN) : देश की प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्था जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआइ) में नामांकन के लिए प्रतिवर्ष होने वाले जेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट यानि जैट की तिथि घोषित कर दी गई है. जैट का आयोजन आगामी छह जनवरी 2019 को किया जाएगा. प्रवेश परीक्षा तीन घंटे की होगी जिसका समय सुबह 10 बजे से लेकर एक बजे तक होगा. इस परीक्षा के पैटर्न में बदलाव भी किया गया है. जानकारी के अनुसार इस बार निबंध लेखन नहीं होगा.

जैट के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 20 अगस्त से शुरू हो जाएगी. परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी. प्रवेश परीक्षा में मिले स्कोर के हिसाब से मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी. मेरिट लिस्ट में योग्य पाए जानेवाले छात्र एक्सएलआरआइ के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकेंगे.

99 हजार हए थे शामिल

जैट में पिछले साल करीब 99 हजार छात्र शामिल हुए थे. ज्ञात हो कि देश के विभिन्न प्रबंधन संस्थाओं के लिए आयोजित की जानेवाली कैट परीक्षा से इतर एक्सएलआरआइ अपने संस्थान में दाखिले के लिए अलग से जेवियर एप्टीट्यूट टेस्ट का आयोजन करता है. इसमें मिले स्कोर के आधार पर देश के कई अन्य प्रबंधन संस्थान भी अपने यहां दाखिले लेते हैं.

PUBLICATION: Mint
DATE: 16 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

KEEP YOUR JOB AND FOLLOW YOUR PASSION TOO

A couple tries to strike a balance between earning their daily bread and butter and finding fulfilment

Jyotika (in a sari) and Nitin Dhawan with a group of teenagers at an Orion workshop.

RAMESH PATHANIA/MINT

Prasannata Patwa
prasannata.p@htlive.com

Quitting an unfulfilling corporate job to pursue a passion may sound rosy but it's far from a practical option—after all, there are bills to pay. However, you don't necessarily have to quit your job to do what you love.

Delhi-based Jyotika Raisinghani Dhawan, 42, and her husband Nitin Dhawan, 44, discovered in their late 30s that while their careers were important, it made them happy to find time and ways to give back to society. "Maybe it was a mid-life crisis or just an eye-opener, but Nitin and I had been discussing over the years about what else we can do with ourselves," says Jyotika. "We even discussed this with friends but would often hit a roadblock because we didn't know how to answer the question, 'what should we do?'"

Jyotika and Nitin were an example of the perfect corporate couple. Jyotika, who has an MBA from XLRI, Jamshedpur, worked with Bharti Airtel for nine years before becoming an entrepreneur, starting the placements and coaching company Helix, in 2007. Nitin, who has a bachelor's in engineering and an MBA from the SP Jain Institute of Management and Research, worked as a business consultant for American Express and Microland and then set up a start-up—an e-learning company, ITpreneurs—which he sold in 2008. He established another start-up, IMA-imarketingadvantage, in 2009 before joining his family business, both of which he exited in 2017.

While running Helix, Jyotika went through a downward spiral: "Over a period of time, I realized that this (Helix) is just bread and butter. This is just to get the fan, the table, and the sofa. I was having these thoughts: 'Where will this recruitment agency lead me?' And, most importantly, I realized that there was no new learning."

Trying to find answers to these questions, Jyotika decided to volunteer at hospitals and old-age homes in 2012. "I just knew I had to do something. And so I reached out to the Panchvati Old Age Home near my place. They asked me to come and spend time playing chess, carrom, or even have conversations with some of the people living there."

It's through these visits that the idea of Orion, an organization fostering philanthropy in teenagers, was born. "Earlier, I used to go alone, but, over time, when I started taking my daughter with me, I realized that if we don't involve the next generation in our efforts, change will never happen," she says. Orion works as a connector to help interested children in the 13-17 age group volunteer in places such as old-age homes, slums, and hospitals. It also conducts workshops on concepts such as upcycling, minimalism and unwaste.

"We have always felt that education is something that is supposed to be absorbed," says Nitin, explaining that he was always keen to be part of a social entrepreneurship project. "With my experience as an entrepreneur in e-learning, I am looking forward now to expand Orion's activities online too. This is not just a hobby for me."

Some initiatives undertaken by the children include creating awareness about malnutrition in slums, and teaching the use of digital platforms like Uber and Paytm at old-age homes. "The children go through a two-day workshop. After that they approach us with ideas and we mentor them," says Nitin. "In the initial years of Orion, we used to get our friends' children, and these workshops were free. Now we charge between ₹500-1,000 per day per workshop," says Jyotika. Around 15 children attend each session.

But how do they find the time for all the initiatives with their consultancy firm and a family? After all, Jyotika works on both Orion and Helix, while Nitin works in Orion full-time. "I am good at multi-tasking I guess," she says. Moreover, she has the flexibility of working from home, which saves time. "So mentally there is not too much overlapping happening over there," she says.

Even then, things are not always smooth. "For me, it was never either a Helix or an Orion situation. I have to do both because I love both. And there is also the matter of the cost of living. In fact, Nitin and I spent time assessing the amount we would need regularly to live the lifestyle we do. We minimized our lifestyle and stuck with what we need rather than what we want. Even now, I cannot have fixed hours at Orion because if I am needed at Helix, I will attend to that," explains Jyotika.

"Following your passion is not about renouncing life and giving up on everything. It's about learning and planning to make your venture sustainable and that's what we are doing," adds Nitin.

While things at Helix seem to be working fine, there would appear to be a few challenges with Orion. "The biggest challenge we face is that the adults who are sending these children are more interested in the fact that okay, my child has done this and now he/she is sensitized. There is no continuation, there is no sustenance," says Jyotika.

Time is a big challenge too since most children have to tackle school work, hobby classes, and sports. "We do not force the kids to commit more time because essentially what they are doing cannot be forced," says Nitin. In fact, children often do not return to participate in other initiatives.

Jyotika and Nitin say giving back to society is a choice. "What we want people to realize is that we are born into this society and whatever we have is because of society. So it is important to give back to them," says Nitin.

Prep before you quit

If you have decided to follow a path that enables you to work on what you love, there are a few things you need to do before and during the radical shift.

Ignore pessimistic advice
Not everyone will agree with you, but if you are convinced about what you are doing, then go ahead and take the plunge.

Be ready for hardships
It doesn't really matter what the self-help books say. Making a drastic career change always comes with challenges: people, money, even success. So, it is best to be mentally prepared.

Get out of your safe space
If you have taken the risk of switching careers, learn to do things in a new way.

Figure out your finances
Before taking the plunge, make sure you know how much money you have got for contingencies.

PUBLICATION: Inext
DATE: 22 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

व्याख्यान 23 अक्टूबर को

एक्सएलआरआइ में 23 अक्टूबर को वर्गीस कुरियन की स्मृति में एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाएगा. इसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज हिस्सा लेंगे. इस दौरान वे आज के दौर में सतत विकास के लिए सामाजिक सहयोग कितना आवश्यक है, इस विषय पर अपने विचारों से अवगत कराएंगे. कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं. इससे संबंधित अधिकृत जानकारी संस्थान की ओर से बाद में दी जाएगी.

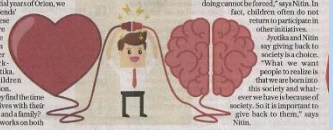

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 18 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

'Leadership Conclave' focusses on improving people's earnings

XLRI organises first edition of the conclave

PNS ■ JAMSHEDPUR

The first edition of 'Leadership Conclave' hosted by the Institute for Advanced Studies in Complex Choices in collaboration with XLRI- Xavier School of Management was held in Mumbai.

The two-day conclave brought together industry leaders, economists, academicians and technologists to discuss the impact of continuously evolving environment on organisational, personal and public policy choices. While recognising that there are significant changes in technology and we are in slow-growth environment, there was a consensus that we must not see the changes in technology as a disruption.

Among the speakers at the conclave were –Bhavesh Shah (senior vice president of finance at Johnson & Johnson), Yogi Sriram (senior vice president (human resources) & member of the executive committee L&T), P Venugopal (professor of marketing and chairperson, Center for Global Management and Responsible Leadership at XLRI- Xavier School of Management), Anil K Sood (professor and founder, IASCC) and other dignitaries.

In his address, Bhavesh Shah stressed the need to bridge the digital divide by leveraging technology in education and healthcare and, thereby, providing an equity of opportunity for rural as well as urban India.

A highlight of the discussion was that the present constraints on growth, globally as well as in India, are arising from lack of demand rather than the constraints on supply.

Senior vice president of finance at Johnson & Johnson Bhavesh Shah lighting the lamp during the two-day 'Leadership Conclave' at Jamshedpur on Friday PNS

Business leaders as well as economists agreed that there is a need to invest for creating demand and find ways to improve people's earnings, as growth in the past has been inequitable. Growth that is not equitable and is without investment in building capability for future is not sustainable.

The changes in technology are an opportunity to renew product and services portfolios so that 'consumer value' becomes the focus of strategic choices, not just the gains in productivity.

While discussing the role of leadership in the present environment, the participants agreed that the traditional hierarchy based organisation structure may not be the most appropriate choice. They discussed the need to build a culture of continuous learning coupled with reflective practice – learning from one's own experience.

Prof. P Venugopal commented, "The purpose of the Conclave has been to build a shared perspective on choice of strategy in a Growth-Constrained Information-Age Economy and outline the agenda for future research on choice of growth strategy." He further added, "XLRI has always continued working on India specific research which will enable research-based teaching." He also extended XLRI's continued support to IASCC for its future conclave and research work.

Anil K Sood, Professor and Founder, IASCC said "We aim to build a strong social sciences' research programme in collaboration with like-minded organizations and professionals". He stressed the need to build a repository of personal experiences and learning so that the knowledge is not lost. He also mentioned that IASCC will help individual leaders and professionals document the evolution of their thinking in form of perspective papers and reflective practice case studies.

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 19 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

XLRI's 'Jamshedpur Run' today

PNS ■ JAMSHEDPUR

Theme stems from inner enthusiasm and spirit that each resident at the 'Steel City' possesses. This run is devoted to motivating each and every one of us to contribute towards the growth of the city

XLRI Jamshedpur will host the 9th edition of 'Jamshedpur Run' on Sunday from 6 am. The Jamshedpur Run is a mini-marathon which brings together the entire city. The run kicks off from the XLRI campus and passes through Jubilee Park and other locations. College students, professors, trainee athletes, professionals, dignitaries along with members of the XLRI family unite in this run and the event spreads a feeling of joy and happiness among all.

The event is being organised by CII-Yi, XLRI and Ensemble-Valhalla, the fest organizing team of XLRI this year. " The last edition had over 1300 runners gunning for glory. We are hoping to see a bigger turnout this year," said an official.

The theme of the event will be 'Reach for Glory', an invitation to everyone who aspires to work for the development and well-being of Jamshedpur. The theme stems from the inner enthusiasm and spirit that each resident at the 'Steel City' possesses. This run is devoted to motivating each and every one of us to contribute towards the growth of the city.

The event would comprise two different runs. One will be a longer version having a track length of 10 km for professional runners, athletes and running enthusiasts. The other will be a shorter version with a track length of 5 km, for everybody else who might not be regulars but are not short of enthusiasm in any way. The reporting time for the race is at 5:45 am sharp.

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 20 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

Fitness freaks sprint to success in 'Jamshedpur Run'

PNS ■ JAMSHEDPUR

Xavier School of Management (XLRI) organised the 9th edition of the Jamshedpur Run on Sunday. Hosted jointly by CII-Young Indians (Jamshedpur Chapter) and the Ensemble-Valhalla Core Team, this year's edition of the run saw footfall of 1000 runners with participants coming from all walks of life.

School kids, college students, professors, professionals and many others turned up in large numbers on the cool Sunday morning and ran their hearts out. The roads turned to a sea of white with the runners donning the Jamshedpur Run T-shirts, and the spirit of Jamshedpur was a beautiful site to see!

Khela Soren, and Laxman Banra emerged as the winners in the non-school category of the run, whereas Lakhan Soren and Parvati Tudu were victorious in the Boys and Girls divisions of the School-category and endowed with cash prizes and certificates. The run lasted for roughly 60 minutes and at the end of it, the glorious finishers were treated with refreshments to mark the successful completion of the run.

XLRI always likes to be socially responsible, and mindful of its surroundings. And thus, it was ensured that the runners did not litter along the route, and the general public did not face any hardships as a result of our run.

XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur is a premier, private management institute in India founded in 1949 by Fr Quinn Enright, S.J. in the 'steel city' of Jamshedpur (www.xlri.ac.in). Over the last six decades, the institute has grown into a top-ranking business management school of international repute with a wide portfolio of management programs and research publications. Its alumni are spread around the globe and have demonstrated responsible business leadership in their organizations.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 1 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

माल्या और नीरव के स्कैम पर रिसर्च करेंगे एक्सलर्स

संदीप सावर्ण@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में कॉरपोरेट स्कैम रोकने के लिए एथिक्स रिसर्च सेंटर की शुरुआत

नैतिक शिक्षा देने के लिए कराया जाता है गांवों का भ्रमण

एक्सएलआरआइ प्रबंधन द्वारा बताया गया कि संस्थान में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को ना सिर्फ एक सफल मैनेजर बल्कि एक बेहद अच्छा इंसान भी तैयार करने का प्रयास किया जाता है. ताकि वे समाज के अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रख कर भविष्य में कोई कदम उठा सके. यही कारण है कि जैट की परीक्षा पास करने के बाद चुने जाने वाले सभी 360 विद्यार्थियों को अलग-अलग ग्रुपों में बांट कर उन्हें एक सप्ताह तक गांव में रखा जाता है. इस दौरान वे ग्रामीण परिवेश में रहने वाले लोगों के साथ ही अपना गुजर बसर करते हैं और रियल इंडिया को करीब से जानते हैं, ताकि कल को अगर वे मैनेजर बनते हैं तो ग्रामीण व उनके हितों को ध्यान में रख कर कोई नीति बना सकें.

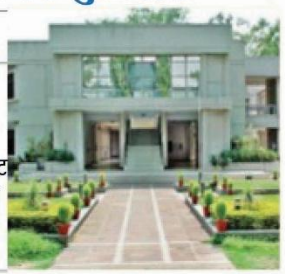

माल्या के बिजनेस मॉडल पर पूर्व में भी हो चुका है रिसर्च

एक्सएलआरआइ में करीब 5 साल पूर्व संस्थान के प्रोफेसर डॉ गौरव वल्लभ ने एक रिसर्च किया था. इस रिसर्च में उन्होंने खास तौर पर माल्या द्वारा शुरू किये गये एयर लाइंस पर रिसर्च किया था, जिसमें यह बात उभर कर सामने आयी थी कि माल्या के बिजनेस मॉड्यूल में व्यापक तौर पर गड़बड़ी थी. उन्होंने अपने 38 पन्ने के रिसर्च के माध्यम से पूर्व में ही घोषणा कर दी थी विजय माल्या का एयर लाइन बिजनेस ठप हो जायेगा.

भारत में कॉरपोरेट स्कैम में तेजी से इजाफा हो रहा है. पिछले एक साल के भीतर विजय माल्या, नीरव मोदी व मेहुल चौकसी जैसे लोगों ने देश के हजारों करोड़ रुपये की चपत लगायी है. कॉरपोरेट वर्ल्ड में तेजी से बदलते हालात ने देश के टॉप बिजनेस स्कूलों को भी अपने कोर्स मॉड्यूल में बदलाव लाने पर मजबूर कर दिया है. यही कारण है कि निजी क्षेत्र में देश की सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआइ ने कॉरपोरेट स्कैम को रोकने के लिए खास तौर पर एथिक्स रिसर्च सेंटर की शुरुआत की है. जिसमें विजय माल्या व नीरव मोदी पर रिसर्च किया जा रहा है. संस्थान प्रबंधन उक्त सेंटर की शुरुआत करने से पूर्व की सोच के बारे में जानकारी देते हुए फादर जेरी ने बताया कि जितनी भी कॉरपोरेट विफलताएं सामने आ रही हैं वह मूल रूप से परिपक्वता की कमी के साथ ही अंतरात्मा की आवाज नहीं सुनने की वजह से हैं. उन्होंने कहा कि सिर्फ पैसे कमाना ही जीवन का उद्देश्य नहीं होना चाहिए. कॉरपोरेट जगत में तेजी से घट रही गलत घटनाओं पर किस प्रकार से अंकुश लगायी जाये, इसे लेकर भी विद्यार्थियों को पढ़ायी करवायी जायेगी. इस रिसर्च में भावी मैनेजरों को यह बताया जा रहा है कि आखिर वह कौन सी वजह थी, जिसमें उक्त दोनों उद्योगपतियों का व्यापार डगमगा गया और उन्हें बैंक से लिये गये उधार वापस करने के लिए पैसे नहीं बचे. इसके अलावा फ्यूचर लीडरों को यह भी बताया जा रहा है कि भविष्य में अगर वे किसी कंपनी या बैंक के मैनेजर बनते हैं तो किस प्रकार संभावित कॉरपोरेट स्कैम से निपट सकें. देश के कॉरपोरेट वर्ल्ड में तेजी से होने वाले बदलावों की वजह से संस्थान प्रबंधन ने एथिक्स रिसर्च सेंटर में होने वाले कॉरपोरेट स्कैम के कोर्स को संस्थान में पढ़ायी जाने वाली हर कोर्स के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य कर दिया है, ताकि वे बिजनेस बढ़ाने के गुर के साथ-साथ नैतिकता का भी पाठ भी पढ़ सकें.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE: 14 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE:16

एक्सएलआरआइ. नेशनल लाइब्रेरियन दिवस पर कार्यक्रम

डिजिटल युग में बढ़ा लाइब्रेरियन का कार्य

लाइफ रिपोर्टर @ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में नेशनल लाइब्रेरियन डे का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि एक्सएलआरआइ के सीनियर प्रोफेसर फादर ओसवाल्ड मैसक्रानहास उपस्थित थे. उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी साइंस के जनक डॉ एसआर रंगनाथन की याद में लाइब्रेरियन दिवस मनाया जाता है. उन्होंने बताया कि एक लाइब्रेरियन के समक्ष क्या-क्या चुनौतियां होती है. कहा कि लाइब्रेरियन सही मायने में किताब का दोस्त होता है. उसे एक-एक किताब की सटीक जानकारी होती है. कार्यक्रम में एक्सएलआरआइ के हेड लाइब्रेरियन ईडी एडविन ने कहा कि लाइब्रेरियन का काम पुस्तकों की ठीक से देखभाल कर इन्हें सुरक्षित करना होता है. डिजिटल युग में लाइब्रेरियन की बढ़ रही चुनौतियों से संबंधित जानकारी भी उन्होंने दी . कहा कि अब इ लाइब्रेरी का जमाना है. अब हार्ड कॉपी के साथ ही इ लाइब्रेरी का दौर है, इसलिए उन्हें हर प्रकार की विधा में दक्ष होना होगा. इस दौरान शंकर गुप्ता, प्रवीण शांडिल्य समेत कई लोग उपस्थित थे.

रविवार को एक्सएलआरआइ से शुरू होगा जमशेदपुर रन : रविवार को एक्सएलआरआइ से रन फॉर जमशेदपुर का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें एक्सलर्स के अलावा शहर के अलग-अलग स्कूलों के करीब 1000 बच्चे हिस्सा लेंगे.

एक्सएलआरआइ से निकल कर जुबली पार्क होते हुए यह रन अलग-अलग मार्ग से गुजरते हुए वापस एक्सएलआरआइ आकर इसका समापन होगा. इसकी तैयारियां पूरी कर ली गयी है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 15 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआइ एडमिशन प्रक्रिया में बदलाव, रजिस्ट्रेशन 20 अगस्त से

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में एडमिशन के लिए होने वाली जैट (जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट) परीक्षा की आधिकारिक घोषणा कर दी गयी है. इस साल जैट की परीक्षा 6 जनवरी को होगी. हालांकि इस परीक्षा में शामिल होने के लिए 20 अगस्त से रजिस्ट्रेशन हो सकेगा. रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2018 तय की गयी है. इस बार जैट की परीक्षा में आंशिक बदलाव किये गये हैं. हालांकि पिछले साल की तरह ही परीक्षा के मोड ऑनलाइन होंगे. 6 जनवरी को सुबह 10 बजे से लेकर 1 बजे तक परीक्षा होगी. इस परीक्षा में शामिल होने के लिए 20 दिसंबर से एडमिट कार्ड मिलेगा. एडमिट कार्ड को संस्थान की साइट से डाउनलोड किया जा सकेगा. परीक्षा का रिजल्ट जनवरी के अंतिम सप्ताह जारी किया जायेगा. जैट के स्कोर कार्ड का इस्तेमाल देश की करीब 150 बिजनेस स्कूलों में एडमिशन लेने में किया जा सकेगा. सर्वाधिक अंक हासिल करने वाले टॉप 360 विद्यार्थियों का चयन एक्सएलआरआइ के लिए किया जायेगा. लिखित परीक्षा के बाद ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू होगा. जीडी-पीआइ में भी शानदार प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवार को बिजनेस मैनेजमेंट के कुल 180 सीट व ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के कुल 180 सीटों पर एडमिशन मिल सकेगा. देश भर के करीब एक लाख उम्मीदवार इस परीक्षा में अब तक शामिल होते रहे हैं. कैट की तर्ज पर ही जैट की परीक्षा के पैटर्न में बदलाव किया गया है.

- **सर्वाधिक अंक हासिल करने वाले टॉप 360 विद्यार्थियों का चयन एक्सएलआरआइ के लिए किया जायेगा**

जैट में शामिल होने की क्या है योग्यता

जैट की परीक्षा में शामिल होने के लिए संस्थान प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इस परीक्षा में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से रेगुलर कोर्स में तीन साल तक ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने वाले उम्मीदवार शामिल हो सकेंगे . साथ ही ऐसे विद्यार्थी भी इसमें शामिल हो सकेंगे जो फिलहाल थर्ड इयर में हैं लेकिन 10 जून 2019 तक वे ग्रेजुएट हो जायें . इस प्रकार के विद्यार्थी भी परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे .

इस साल से प्रश्नपत्र में निबंध नहीं रहेगा

जैट परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्न पत्रों के प्रकार में भी पिछले साल की तुलना में बदलाव किया जा रहा है . अब तक जैट की परीक्षा में एक प्रश्न निबंध पर जरूर रहता था . लेकिन इस साल से निबंध लेखन को हटा दिया गया है . तीन घंटे की परीक्षा को दो हिस्सों में बांटा गया है . पार्ट ए में इंग्लिश लैंग्वेज, लॉजिकल रिजनिंग, डिसिजन मेकिंग, क्वांटेटिव एबिलिटी व डाटा इंटरप्रेटेशन से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे . जबकि पार्ट बी में सिर्फ जेनरल नॉलेज के प्रश्न पूछे जायेंगे . पार्ट ए में 74 नंबर के सवाल रहेंगे जबकि पार्ट बी में कुल 25 नंबर के सवाल पूछे जायेंगे .

पिछले साल की तरह लिंक फेल की समस्या से निबटने की तैयारी

पिछले साल जैट की परीक्षा को पहली बार ऑनलाइन किया गया था . ऑनलाइन परीक्षा को सफलता पूर्वक आयोजित कराने का संस्थान प्रबंधन के साथ ही परीक्षा आयोजन समिति से भरपूर प्रयास किया, लेकिन कुछ परीक्षा केंद्रों पर सर्वर में आयी खराबी की वजह से नये सिरे से परीक्षा लेनी पड़ी थी तो कहीं देर से परीक्षा शुरू हुई थी . तकनीकी गड़बड़ी ना हो, इसे लेकर संस्थान प्रबंधन ने इस बार विशेष रूप से तैयारी की है . परीक्षा आयोजन समिति को इसे लेकर खास तौर पर निर्देश दिये गये हैं, ताकि कोई गड़बड़ी ना हो .

रजिस्ट्रेशन फीस की राशि बढ़ी : एक्सएलआरआइ समेत देश के अन्य 150 बिजनेस स्कूलों में एडमिशन के लिए होने वाली जैट की परीक्षा में ऑनलाइन ही रजिस्ट्रेशन हो सकेगा . उम्मीदवार xatonline.in पर आवेदन कर सकेंगे . पिछले साल रजिस्ट्रेशन के लिए 1650 रुपये फीस की राशि तय की गयी थी, जबकि इस साल इसमें बढ़ोतरी कर 1700 रुपये कर दी गयी है . पिछले साल ऑफ लाइन भी यह राशि जमा करने की छूट दी गयी थी . लेकिन इस साल से ऑनलाइन ही रजिस्ट्रेशन शुल्क भी जमा हो सकेगा .

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 17 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 20

एक्सएलआरआइ : लीडरशिप कॉन्क्लेव का समापन

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ और द इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन कॉम्प्लेक्स च्वाइस की ओर से मुंबई में आयोजित दो दिवसीय लीडरशिप कॉन्क्लेव का समापन हो गया. 10 और 11 अगस्त को आयोजित इस कॉन्क्लेव में इंडस्ट्री के लीडर, शिक्षाविद, अर्थशास्त्री समेत तकनीकी रूप से दक्ष लोगों के साथ ही अलग-अलग क्षेत्र के लोगों को शामिल किया गया. सभी ने आज के दौर में क्या-क्या व्यापक बदलाव कर इंडस्ट्रीज के साथ ही अन्य क्षेत्रों में विकास की गति को बढ़ावा दिया जा सकता है, इससे संबंधित चर्चा हुई. इस मौके पर रिसोर्स पर्सन के रूप में जॉनसन एंड जॉनसन के भवेश शाह, एल एंड टी के वीपी एचआर योगी श्रीराम, एक्सएलआरआइ के सीनियर प्रोफेसर डॉ वी वेणुगोपाल, आइएएससीसी के प्रोफेसर अनिल कुमार सूद समेत कई अन्य ने अपने विचार रखे. सभी ने कंज्यूमर के आधार पर समय-समय पर अपने प्रोडक्ट में जहां बदलाव करने का आह्वान किया वहीं किसी भी प्रकार से क्वालिटी के साथ समझौता नहीं करने की बात कही.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 19 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

एक्सएलआरआइ का रन फॉर जमशेदपुर आज

जमशेदपुर. रविवार की सुबह एक्सएलआरआइ से रन फॉर जमशेदपुर का आयोजन किया जायेगा. इसमें संस्थान के विद्यार्थियों के अलावा करीब 1000 शहरवासी पांच किमी की दौड़ लगायेंगे. सुबह छह बजे इसकी शुरुआत की जायेगी. संस्थान प्रबंधन से जुड़े कई सदस्य इस रन को हरी झंडी देंगे. दौड़ में शामिल लोग जुबिली पार्क से होते हुए साकची जायेंगे. इसके बाद अलग-अलग रास्ते से होते हुए वापस एक्सएलआरआइ लौट कर इसका समापन किया जायेगा. इस दौरान जगह-जगह पर पानी व अन्य इंतजाम किये जायेंगे. गौरतलब है कि संस्थान प्रबंधन द्वारा पिछले आठ साल से इसका आयोजन किया जा रहा है. ऑन्सेंबल व सीआइआइ यंग के संयुक्त प्रयास से उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 20 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 20

एक्सएलआरआइ व सीआइआइ यंग ने किया जमशेदपुर रन का आयोजन

खेला सोरेन व लक्ष्मण बानरा बने विजेता

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ व सीआइआइ यंग के संयुक्त तत्वावधान में जमशेदपुर रन का आयोजन किया गया. जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों के साथ ही आस-पास के बस्ती के लोगों के साथ ही शहर के अलग-अलग स्कूल व कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. सुबह पांच बजे से ही एक्सएलआरआइ के फुटबॉल ग्राउंड में जमशेदपुर रन में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था. यहां सभी का पहले रजिस्ट्रेशन करवाया गया. इसके बाद उनके बीच टी-शर्ट का वितरण किया गया.

जमशेदपुर रन के आयोजन समिति से जुड़े सीनियर स्टूडेंट ने हरी झंडी दी, जिसके बाद जुबली पार्क, साकची होते हुए वापस एक्सएलआरआइ पहुंचने के बाद इस रन का समापन किया गया. करीब पांच किमी तक सभी ने दौड़ लगायी. हालांकि इस दौरान जो दौड़ सकते थे उन्होंने दौड़ लगायी लेकिन

सैकड़ों विद्यार्थी व अन्य लोगों ने पैदल चल कर ही वापस पहुंचे. जिस रास्ते से विद्यार्थियों का दल गुजर रहा था, उस इलाके में उनके लिए प्राथमिक उपचार व पीने के लिए पानी के इंतजाम किये गये थे. दो कैटेगरी में इसे बांटा गया था. स्कूल व नॉन स्कूल कैटेगरी. नॉन स्कूल कैटेगरी में खेला सोरेन व लक्ष्मण बानरा को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया. जबकि स्कूल कैटेगरी में लड़कों में लखन सोरेन जबकि लड़कियों में पार्वती टुडू को विजेता घोषित किया गया. गौरतलब है कि एक्सएलआरआइ द्वारा पिछले आठ वर्ष से इस प्रकार के जमशेदपुर रन का आयोजन किया जा रहा है. स्वास्थ्य के प्रति सभी को जागरूक करने के उद्देश्य से उक्त रन का आयोजन किया गया था.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 21 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एक्सएलआरआइ संसाधन दक्षता और अर्थव्यवस्था विषय कार्यशाला आयोजित

बगैर पर्यावरण संरक्षण के नहीं कर सकते विकास की कल्पना

- पर्यावरण को जो नुकसान हो रहा है वह चिंता का विषय है

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ, टाटा स्टील और जीआइजेड इंडिया (यूरोपीय यूनियन) के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को एक्सएलआरआइ में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में संसाधन दक्षता और अर्थव्यवस्था विषय पर सभी ने अपने विचार रखे. इयू-आरइआइ की उप कार्यक्रम निदेशक डॉ रचना चोपड़ा ने कहा कि हम पर्यावरण को संरक्षित करते हुए ही विकास की सही रूपरेखा खींच सकते हैं. बगैर पर्यावरण संरक्षण के हम विकास की कल्पना नहीं कर सकते. उन्होंने देश व दुनिया में आने वाली आपदाओं पर भी चर्चा की.

एक्सएलआरआइ में हो रहा सौर पैनल का इस्तेमाल

एक्सएलआरआइ प्रोफेसर फादर नेल्सन ने एक्सएलआरआइ प्रबंधन द्वारा पर्यावरण संरक्षण को लेकर किये जाने वाले प्रयासों की जानकारी दी. कहा कि संस्थान में बायोगैस संयंत्र लगाया गया है. छतों पर सौर पैनल लगाया गया है. एक्सएलआरआइ परिसर के अंदर गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया गया है. साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है.

कहा कि जिस प्रकार पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, यह चिंता का विषय है. मौके पर उन्होंने बताया कि भारत उत्पादन क्षेत्र में मांग पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है. भारत एंटीमोनी, निकेल, मैग्नेसाइट, तांबा, फॉस्फेट, कोबाल्ट और तेल का बड़ा आयातक है.

ऐसे में प्राथमिक सामग्री का कुशलता पूर्वक उपयोग करना, इस्तेमाल होने के बाद बचे अपशिष्ट का पुनः उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया. एक्सएलआरआइ के प्रोफेसर कल्याण भास्कर ने कहा कि यूरोपीय यूनियन पिछले तीन साल से संसाधन दक्षता और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है. परियोजना चार मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित होने की बात कही. इयू-आरइआइ के निदेशक डाइटर मुट्ज ने संसाधनों और परिपत्र अर्थव्यवस्था के कुशल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए यूरोप में उठाये गये उद्योग और नीतिगत पहल की जानकारी दी. इस दौरान उमेश सिंह ने प्रतिभागियों को टाटा स्टील द्वारा वर्षों से चल रही ऊर्जा संचयन पर विस्तृत जानकारी दी. एक्सएलआरआइ के टाटा रघु राम ने भी सभी को संबोधित किया. इस दौरान टाटा स्टील, जुस्को, एनएमएल जमशेदपुर के सदस्यों के साथ ही एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 22 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एक्सएलआरआइ 23 अक्टूबर को छात्रों को संबोधित करेंगे प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

डॉ वर्गीज कुरियन ऑरेशन के वक्ता होंगे ज्यां द्रेज

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में 23 अक्टूबर को डॉ वर्गीज कुरियन मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया जायेगा. मिल्कमैन डॉ वर्गीज कुरियन की याद में आयोजित इस व्याख्यान में मनरेगा के जनक व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज बतौर मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों को व्याख्यान देंगे.

मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के लिए प्रेरित करने हेतु इस व्यख्यान का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें विकास की स्थिरता हेतु 21वीं सदी के मॉडल पर चर्चा की जायेगी. साथ ही किस प्रकार देश में सामाजिक पहल से विकास की रफ्तार को तेज की जा सकती है, इससे संबंधित जानकारी दी जायेगी.

गौरतलब है कि एक्सएलआरआइ में विद्यार्थियों के बीच हर साल डॉ कुरियन को याद किया जाता है. एक्सएलआरआइ के सीनियर प्रो मधुकर शुक्ला ने बताया कि इस व्याख्यान के माध्यम से संस्थान की कोशिश छात्रों में सोशल इंटरप्रेन्योर के रूप में सोच विकसित करना है, ताकि वे भी भविष्य में डॉ कुरियन की तरह खुद की पहल से इंटरप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में मील का पत्थर स्थापित कर सकें.

कौन हैं ज्यां द्रेज : ज्यां द्रेज महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा स्कीम के आर्किटेक्ट कहे जाते हैं. संप्रग सरकार की बहुचर्चित योजनाओं में से एक मनरेगा का खाका तैयार करने में ज्यां ने अहम भूमिका निभाई थी. शुरू में इस स्कीम का नाम था राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी नरेगा. लेकिन बाद में इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ दिया गया. इसे स्कीम को तैयार करने वाले ज्यां द्रेज बेल्जियम में जन्मे हैं. वे 1979 से भारत में रह रहे हैं. 2002 में इन्हें भारत की नागरिकता मिली थी. ये इकोनॉमिक्स के विद्यार्थी रहे. ज्यां ने इंडियन स्टेटस्टिकिल इंस्टीट्यूट (नयी दिल्ली) से पीएचडी की पढ़ाई पूरी की है. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, रांची यूनिवर्सिटी सहित दुनिया के कई प्रसिद्ध विवि में वे विजिटिंग लेक्चरर के तौर पर काम करते रहे हैं. पिछले कई दशकों से वे यही काम कर रहे हैं. अर्थशास्त्र पर डॉ ज्यां द्रेज की 12 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं. उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन के साथ मिलकर कई पुस्तकें लिखीं हैं.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 23 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

टाटा एजुकेशन एक्सीलेंस का वार्षिक पुरस्कार समारोह

तारापोर को डॉ जेजे ईरानी अवार्ड

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद टीवी नरेंद्रन के साथ विभिन्न स्कूलों के सम्मानित प्रिंसिपल

एक्सएलआरआइ के टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित पुरस्कार समारोह में 50 स्कूलों के प्रतिनिधियों ने की शिरकत

बोझिल नहीं होनी चाहिये कक्षाएं : टीवी नरेन्द्रन

बच्चों को रोबोट बनने से रोकने की चुनौती : कर

जेजे ईरानी अवार्ड

विभिन्न श्रेणियों में मिले पुरस्कार

टीप रेगुलर प्रोग्राम के तहत इन्हें मिले मुख्य पुरस्कार

पुरस्कार का नाम	अंक	विजेता स्कूल
1. डॉ जेजे ईरानी पुरस्कार	600 प्लस	तारापोर एजेक्सो, जेएच तारापोर धतकीडीह.
2. शिक्षा उत्कृष्टता में उत्कृष्ट उपलब्धि	600 से 699	गुरुकुल कदमा, मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल
3. शिक्षा उत्कृष्टता में असाधारण उपलब्धि	500 से 549	गुरुकुल सोनारी पार्क, केपीएस मानगो
4. शिक्षा उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण उपलब्धि	450 से 499	एसडीएसएम घाटशिला, केपीएस बर्मामाइंस, विद्या भारती चिन्मया विद्यालय, टेल्को
5. शिक्षा उत्कृष्टता के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता	400 से 449	आरएमएस हाइस्कूल खूंटाडीह व काशीडीह हाइ स्कूल.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 14 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI celebrates National Librarian's Day

Jamshedpur, Aug. 13 : 'National Librarian's Day' was celebrated at Sir Jehangir Ghandy Library, XLRI, Jamshedpur on Sunday. At a formal function held on the occasion, an image of Dr. S R Ranganathan was installed at the Library as a part of the celebrations.

Shankar Gupta, staff member, XLRI Library welcomed the gathering comprising XLRI Faculty members, staff and students. Fr. Oswald Mascarenhas, S.J. JRD Tata Chair Professor of Business Ethics at XLRI and the Chief Guest at the function, described the 'Five Laws of Library Science' put forth by Dr S R Ranganathan and the role of librarians in adhering this.

D. T. Edwin, Head-Library, XLRI spoke about the significance of this celebration and the mission of the libraries to full fill Dr S R Rngananthan's dreams. The IT Team of XLRI also launched an updated 'Library Knowledge Portal' encompassing eye-catching user interface of its resources and services. Surprise gifts were presented to the outstanding library staff on their library skill development programmes.

Pravin Shandilya, Staff Member, XLRI Library expressed thanks on behalf of the library. The academic and research community of the institute appreciated the celebration of National Librarian's Day in their campus which enriches the harmony among the team members and ultimately enhances the library services.

Explaining the significance of occasion, D. T. Edwin, Head-Library, XLRI said, "August 12th is being celebrated as National Librarian's Day in India, in remembrance of national professor of library science, Dr S R Ranganathan (1892-1972), who had spearheaded library development in India. Ranganathan began his professional life as a mathematician. He is considered to be the 'Father of Library Science, Documentation, and Information Science in India. He was a University Librarian and Professor of Library Science at Banaras Hindu University (1945-47) and Professor of Library Science at the University of Delhi (1947-55). The Government of India awarded Padmashri to Dr. S.R. Ranganathan in 1957 for valuable contributions to Library Science."

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 18 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

'Leadership Conclave' focusses on improving people's earnings

Jamshedpur, Aug. 17 : The first edition of 'Leadership Conclave' hosted by the Institute for Advanced Studies in Complex Choices in collaboration with XLRI-Xavier School of Management was held in Mumbai.

The two-day conclave brought together industry leaders, economists, academicians and technologists to discuss the impact of continuously evolving environment on organisational, personal and public policy choices. While recognising that there are significant changes in technology and we are in slow-growth environment, there was a consensus that we must not see the changes in technology as a disruption. Among the speakers at the conclave were -Bhavesh Shah (senior vice president of finance at Johnson & Johnson), Yogi Sriram (senior vice president (human resources) & member of the executive committee L&T), P Venugopal (professor of marketing and chairperson, Center for Global Management and Responsible Leadership at XLRI- Xavier School of Management), Anil K Sood (professor and founder, IASCC) and other dignitaries.

In his address, Bhavesh Shahstressed the need to bridge the digital divide by leveraging technology in education and healthcare and, thereby, providing an equity of opportunity for rural as well as urban India.

XLRI organises first edition of the conclave

A highlight of the discussion was that the present constraints on growth, globally as well as in India, are arising from lack of demand rather than the constraints on supply. Business leaders as well as economists agreed that there is a need to invest for creating demand and find ways to improve people's earnings, as growth in the past has been inequitable. Growth that is not equitable and is without investment in building capability for future is not sustainable.

The changes in technology are an opportunity to renew product and services portfolios so that 'consumer value' becomes the focus of strategic choices, not just the gains in productivity.

While discussing the role of leadership in the present environment, the participants agreed that the traditional hierarchy based organisation structure may not be the most appropriate choice. They discussed the need to build a culture of continuous learning coupled with reflective practice - learning from one's own experience.

Prof. P Venugopal commented, "The purpose of the Conclave has been to build a shared perspective on choice of strategy in a Growth-Constrained Information-Age Economy and outline the agenda for future research on choice of growth strategy." He further added, "XLRI has always continued working on India specific research which will enable research-based teaching." He also extended XLRI's continued support to IASCC for its future conclave and research work.

Anil K Sood, Professor and Founder, IASCC said "We aim to build a strong social sciences' research programme in collaboration with like-minded organizations and professionals". He stressed the need to build a repository of personal experiences and learning so that the knowledge is not lost. He also mentioned that IASCC will help individual leaders and professionals document the evolution of their thinking in form of perspective papers and reflective practice case studies.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 19 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI's 'Jamshedpur Run' today

Jamshedpur, Aug. 18 : XLRI Jamshedpur will host the 9th edition of 'Jamshedpur Run' on Sunday from 6 am. The Jamshedpur Run is a mini-marathon which brings together the entire city. The run kicks off from the XLRI campus and passes through Jubilee Park and other locations. College students, professors, trainee athletes, professionals, dignitaries along with members of the XLRI family unite in this run and the event spreads a feeling of joy and happiness among all. The event is being organised by CII-Yi, XLRI and Ensemble-Valhalla, the fest organizing team of XLRI this year. " The last edition had over 1300 runners gunning for glory. We are hoping to see a bigger turnout this year," said an official. The theme of the event will be 'Reach for Glory', an invitation to everyone who aspires to work for the development and well-being of Jamshedpur. The theme stems from the inner enthusiasm and spirit that each resident at the 'Steel City' possesses. This run is devoted to motivating each and every one of us to contribute towards the growth of the city. The event would comprise two different runs. One will be a longer version having a track length of 10 km for professional runners, athletes and running enthusiasts. The other will be a shorter version with a track length of 5 km, for everybody else who might not be regulars but are not short of enthusiasm in any way. The reporting time for the race is at 5:45 am sharp.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 20 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Fitness freaks sprint to success in Jamshedpur Run

Jamshedpur, Aug. 19 : Xavier School of Management (XLRI) organised the 9th edition of the Jamshedpur Run on Sunday. Hosted jointly by CII-Young Indians (Jamshedpur Chapter), and the Ensemble-Valhalla Core Team, this years edition of the run saw a footfall of 1000 runners, with participants coming from all walks of life: School kids, college students, professors, and professionals.

Everyone turned up in huge numbers on this cool Sunday morning and ran their hearts out. The roads turned to a sea of white with the runners donning the Jamshedpur Run T-shirts, and the spirit of Jamshedpur was a beautiful site to see!

Khela Soren, and Laxman Banra emerged as the winners in the non-school category of the run, whereas Lakhan Soren and Parvati Tudu were victorious in the Boys and Girls divisions of the School-category. of the run in the men and women category, and were endowed with cash prizes and certificates. The run lasted for roughly 60 minutes, and at the end of it, the glorious finishers were treated with refreshments to mark the successful completion of the run.

XLRI always likes to be socially responsible, and mindful of its surroundings. And thus, it was ensured that the runners did not litter along the route, and the general public did not face any hardships as a result of our run.

XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur is a premier, private management institute in India founded in 1949 by Fr Quinn Enright, S.J. in the 'steel city' of Jamshedpur (www.xlri.ac.in). Over the last six decades, the institute has grown into a top-ranking business management school of international repute with a wide portfolio of management programs and research publications. Its alumni are spread around the globe and have demonstrated responsible business leadership in their organizations.

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 28 August, 2018
EDITION: Kolkata
PAGE: 8

Cos Hire Big from Executive Programmes; Salaries Zoom

Sreeradha D Basu &
Prachi Verma Dadhwal

Kolkata | New Delhi: Executive education programmes at leading business schools are gaining ground among recruiters, with placement numbers showing how businesses are increasingly keen to hire professionals with a good chunk of work years under their belt.

At institutes such as IIM Bangalore, IIM Indore, IIM Calcutta and XLRI, among others, the average salary offered to graduates of executive education programmes has been upwards of ₹18 lakh per annum, with top salaries close to ₹90 lakh.

HIRING ON THE UPSWING AT THE IIMS

"Recruiters, overall, are very keen to recruit from such programmes because they offer a talent pool with robust experience as well as rigorous management education. In case of large organisations, students are typically recruited at the mid-management level while smaller organisations from time to time recruit students for senior-/ CXO-level roles," said Utanka Sarma, senior manager, career development services, IIM Bangalore.

The mean salary of the recently graduated batch (2017-18) at IIM Bangalore's full-time executive post-graduate programme (EPGP) was ₹23.5 lakh. Accenture, Indian Ports Association and Flipkart were among the big recruiters on campus. The intensive one-year residential programme has been created specifically for professionals with robust track records and 5-12 years of work experience across a wide range of industries.

According to professor Ashish Sadh, chairperson, EPGP, IIM Indore, the programme is slowly gaining popularity in India as the alumni network becomes stronger and industry awareness about the programme increases. "Newer and higher number of recruiters turned up for placements this year than the previous years, offering better roles and responsibilities. People got opportunities to even shift industries," said Sadh.

Average salary over the last few years has also seen an increasing pattern at IIM Indore. New recruiters at the institute this year included KPMG, PwC, Michael Page, Oracle, Oyo Rooms and Bajaj Allianz while for IIM Calcutta, it was PwC, Axis Bank and Rivigo.

SALARIES SEEING A SURGE

At institutes like IIM Calcutta, the top salary for the one-year residential programme for executives, PGPEX, has soared. According to the institute's website, placements for its 11th batch of 2017-18, have seen a top salary of ₹89.25 lakh and average salary of ₹24.52 lakh, an increase of 192.14% and 21.87%, respectively, from a year ago. The number of recruiters jumped over 80% to 78 from the 43 in the previous year.

IT services firms led the pack with 26 offers, followed by ecommerce with six.

The highest salary at IIM Indore's EPGP—offered by Drew Marine, a global company providing technical solutions and services to the marine industry—was ₹65 lakh, a nearly 45% jump from last year's top package. Accenture hired as many as seven candidates, emerging the top recruiter on campus in terms of numbers. IIM Indore, on its part, has seen average salary jump from ₹18 lakh to ₹20 lakh.

OTHER B-SCHOOLS ALSO UPBEAT

Various companies are now showing a greater interest in recruiting experienced candidates from premier institutes, said Sabyasachi Sengupta, chairperson, placements, GMP, XLRI. The institute, which offers a 15-month full-time residential PGDM programme, saw average salary go up to ₹18 lakh from last year's ₹17 lakh. Highest CTC of ₹28 lakh was offered by Accenture, which also hired the maximum number of students.

Axis Bank, Vikram Solar, EXL Services and Muthoot Fincorp were among the first-time recruiters at XLRI. There were around 34 offers from IT, 26 in operations, and 16 from consulting.

"Campus hiring has always been a key part of our overall talent strategy. We make key hires from a number of B-schools every year. This includes students pursuing executive MBA," said Vishpala Reddy, regional HR director for APAC at Uber. "As we focus on scaling our businesses in India, like Uber Eats that we launched just a year-and-a-half ago, hiring candidates from varied professional backgrounds adds immense value to our teams here."

Other companies, too, are seeing the merit. Despite having the largest batch to place, the one-year programme at Great Lakes Institute of Management in Gurgaon saw a record number of participating companies, resulting in students being snapped up faster than in the previous years. Recruiters included American Express, Aditya Birla, Deloitte, KPMG, EY, Cognizant, Hexaware, Virtusa Polaris, MuSigma, Expedia and FoodPanda, and the average salary went up to ₹11.14 lakh from last year's ₹10.17 lakh.

This year, the highest offer was ₹18 lakh by a large coffee beverage chain, and it is up from last year's ₹16 lakh offered by a US-based IT major. Deloitte was the largest recruiter with 19 employment offers for one-year programme graduates, said Prof KJ George, director of corporate and career services at the institute.

Mumbai-based business school SPJIMR is yet to conduct placements for the PGPM class of 2018, but the class of 2017 saw 100 % placement. A few participants joined their earlier organisations as they had taken a study sabbatical, but the recruiting companies represented a wide range of fields such as management consulting, BFSI, automobiles, retail, telecom, logistics, real estate, etc. The highest salary for the class of 2017 was ₹29.58 lakh while the average salary for the 138-strong batch was ₹18 lakh, said Prem Chandrani, chairperson, PGPM.

All The Rage

INSTITUTES LIKES IIM BANGALORE, IIM INDORE, IIM CALCUTTA AND XLRI SEEING AVERAGE SALARIES UPWARDS OF ₹18 LAKH

Recruiters keen to hire from such programmes as it offers them a more experienced talent pool

Flipkart, Deloitte, Accenture among cos making maximum number of offers across campuses

INSTITUTES SEEING A SURGE IN NEW RECRUITERS: Indian Ports Association at IIM Bangalore; KPMG, PwC, Oracle, Oyo, Bajaj Allianz at IIM Indore; Axis Bank, Vikram Solar, EXL Services and Muthoot Fincorp at XLRI

ILLUSTRATION: ANIRBAN BORA

PUBLICATION: The Hindu Business Line
DATE: 1 August, 2018
EDITION: Kolkata
PAGE: 1

Start-ups ride demand for desi milk

₹80-a-litre price has made farm-fresh organic milk an attractive proposition

SHOBHA ROY

Kolkata, July 31

Thirty-six-year-old Poornima Krishnamurthy, the mother of one-year-old twins, was rather worried when she was asked to start feeding cow milk to her sons. Her concern was the high level of adulteration.

So Poornima, a corporate lawyer by profession, settled for farm fresh milk, which is considered to be rich in the A2 protein that aids brain development.

"We all know that the milk we consume is produced from cows that are injected with hormones. I began looking around for wholesome alternatives and came across this company, which is into farm fresh milk. I decided to buy from them," she said.

Poornima is not alone. Organic farm fresh milk, which is produced primarily from cows of indigenous breeds, seems to have caught the fancy of many, leading to the mushrooming of a number of 'farm-to-home' dairy start-ups.

Boom seen

According to industry sources, while the demand for 'organic farm fresh milk' is still nascent in India, it is expected to witness 'exponential growth'. Some of these start-ups are anchored by young professionals who have quit their jobs in MNCs and investment banks to tap the growth in the sector.

Most milk currently produced in India is from Jersey (English-French) and the Holstein Friesian (Dutch) breeds or from their cross-breeds with Indian cows or buffaloes. A majority of these cows are injected with hormone supplements or antibiotics for the enhancement of milk production.

The India moo The Gir breed of cows at a dairy farm in Krishna district of Andhra Pradesh V RAJU

On the other hand, organic milk is typically produced from indigenous breeds, which are fed on organically grown fodder.

Hardy animals

These cows usually do not require hormone supplements or antibiotics as they are 'native' breeds and hence acclimatised to Indian conditions, said Raja Marthandan, founder of Shudh Farms in Thirupurur, Kanchipuram district, Tamil Nadu.

"I have always been passionate about animals and organic farming; so I thought of combining the two. Jersey cows can give A2 (proteins) but they may fall sick too often, requiring antibiotics, etc. So, I decided to stick to the native variety, focusing primarily on the production of pure farm-fresh milk," said Raja, an MBA from XLRI.

Raja has around 50-odd cows producing about 200 litres of milk a day. He aims to scale this up to 500 litres by adding 50-60 more cows.

Riding the A2 wave

A number of start-ups are riding on the 'A2 wave'. Kolkata-based The Good Cow Company has a variety of cows capable of producing A2 milk. The A2 tag helps the company charge a premium: the milk is priced at ₹80 a litre (as compared to an average price of ₹42 a litre for pouch milk) and comes with an 'assured home delivery' for 365 days.

"We have 75 cows of all ages; we are not fussy about which breed, so long as they are capable of producing A2 milk," said Sharad Bhutoria, founder of The Good Cow Company.

Some of the native breeds capable of producing A2 milk include the Sahiwal from Punjab, Gir from Gujarat, and Tharparkar from Rajasthan.

"We feed our cows hydroponically-grown wheatgrass," Bhutoria said, referring to the method of cultivation in a soil-less, water-based medium. Apart from growing their own cattle fodder, these companies also try to ensure that their milk is untouched, right up to packaging. This reduces the bacteria count and is a much healthier option, he added.

According to sources, the organic dairy market is currently around 1 per cent of the total industry. However, with rising awareness around adulteration of milk and its associated health hazards, the segment is likely to witness robust growth in the coming years.

According to industry sources, *desi* cows produce around 1,600-2,500 kg of milk per lactation cycle, which is lower than the average yield of HF (Holstein Friesians) and Jersey purebreds and cross-breds, which is estimated to be close to 5,000 kg per cycle.

A2 or cow?

"We need to be clear if we are making a pitch for A2 milk or for *desi* cows; if it is A2, then there are buffalo, goat and cross-bred varieties capable of producing a good quantity of milk. Scalability is an issue as *desi* cows suffer from poor productivity," said Kuldeep Sharma, a dairy consultant.

"We need to have regulations as to what is organic milk and what is A2 milk so that the consumer is clear. But unfortunately, the cow is a sensitive issue in our country. In the absence of any kind of regulatory labelling on this kind of product, you can actually end up confusing your consumers," he said.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 8 August, 2018
EDITION: Kolkata
PAGE: 11

Call to become entrepreneurs

MITA MUKHERJEE

Industrialist Sanjiv Goenka and St Xavier's University vice-chancellor Father Felix Raj with students of Xavier Business School on Tuesday. Picture by Sanjoy Chattopadhyaya

New Town: Be entrepreneurs and not managers, that was the advice from St Xavier's University vice-chancellor Father Felix Raj to the first batch of students of the institute's B-school.

"There is a difference between a manager and an entrepreneur. A manager will add value to a company but an entrepreneur will multiply...," Felix Raj said at the inauguration of Xavier Business School on Tuesday.

The 17-acre campus of the school, modelled on XLRI Jamshedpur, is located in New Town.

The VC said he was aware of the risks and uncertainties an entrepreneur had to face, yet he advised students to aspire to be entrepreneurs after graduating from the school with an MBA.

"At XLRI Jamshedpur, students joining the institute every year are asked about their plans. Most students say they want to become good managers of reputable companies. They don't want to become entrepreneurs because of the risks involved. But in a developing country like India we need more entrepreneurs than managers," Felix Raj said.

"You are beginning a new chapter in the history of St Xavier's by joining as the first batch of MBA students.... Please remember once a Xaverian, you will always call yourself a Xaverian.... The aim of the B-School is not just to produce managers.... We are looking at future leaders of industry and the country," he said.

Xavier Business School, equipped with all the facilities available in the best business schools in the country, is offering a two-year postgraduate programme in business administration with specialisation in finance, marketing, human resource and systems.

The Wi-Fi campus has air-conditioned classrooms equipped with audio-visual systems, an amphitheatre, a digital library with 24-hour access for students and teachers, hostels with AC rooms, a food court, a doctor on call and a placement cell that will network with top companies.

The 90 students in the first batch were selected through Xavier Aptitude Test (XAT), GMAT and CAT. The university plans to select students through XAT and GMAT — like XLRI Jamshedpur and the Xavier Institute of Management, Bhubaneswar — from next year.

Industrialist Sanjiv Goenka, an alumnus of St Xavier's College Calcutta, attended the inaugural programme as chief guest. "Today I am what I am because of the values that were taught to me by the institute.... Remember once you enter St Xavier's, you are on the top of a percentile," Goenka said.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 20 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

RUNNING START: Participants at the ninth edition of Jamshedpur Run at XLRI ground in Circuit House Area on Sunday.

Jointly organised by CII-Young Indians (Jamshedpur chapter) and XLRI, more than 500 people, including schoolkids, college students, professors and professionals, took part in the event.

The roads turned into a sea of white with participants donning Jamshedpur Run T-shirts. The 5km run covered Jubilee Park, Subernarekha Link Road, Baug-e-Jamsheed School and Keenan Stadium before culminating at XLRI Ground. It started at 6am and ended over an hour later. Picture by Bhola Prasad

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 21 August 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE:10

Education awards

JAMSHEDPUR: The Tata Steel Education Excellence Annual Awards ceremony will be held at Tata Auditorium, XLRI, on Wednesday. Tata Steel CEO and managing director T.V. Narendran will be chief guest. Devi Kar, executive director of Modern High School for Girls, Calcutta, will deliver the keynote address.

PUBLICATION: The Times of India
DATE: 8 August, 2018
EDITION: Kolkata
PAGE: 3

'St Xavier's to start law and sports schools

TIMES NEWS NETWORK

Kolkata: St Xavier's University is set to launch an integrated law school in 2019, followed by a state-of-the-art sports academy that could come up on a plot near its New Town campus. The university's first MBA programme under the Xavier Business School was flagged off on Tuesday. Vice-chancellor Fr Felix Raj said the university, which started in 2017, will apply for NAAC accreditation in 2020.

"We have also introduced two compulsory credits for social work, which has a compulsory 60-hour rural stint in villages for students," said Fr Raj on Tuesday. He said the university plans to approach chief minister Mamata Banerjee, requesting her for a portion of a plot near the varsity campus to start the sports academy.

While inaugurating the fully residential MBA programme, which will commence classes from Wednesday, Fr Raj added: "We will also look at a collaboration with XLRI and XIMB, along with IMI in Kolkata. We may later want to forge a collaboration with IIM-C."

The MBA programme was inaugurated in the presence of pro-vice chancellor Fr Sebasti L Raj and industrialist Sanjiv Goenka, who was the chief guest, at the New Town campus.

"We have already made a splash in the first year of the course. There will be 90 students in the first batch distributed in two sections. The university has got approval from All India Council of Technical Education (AICTE) to run the MBA programme. It will be a two-year full-time residential course, offering specializations in marketing, finance, human resources and systems and operations," the VC said.

A separate business school called Xavier! Business School has been set up at the university to run this course. "An updated library, having access to a number of renowned online professional journals, a modern computer lab and a state-of-the-art language lab have been set up for the MBA programme, which will be kept open 24 hours. New hostels for boys and girls are ready on campus," Fr Raj said.

Students were admitted to the MBA degree course through national- and international-level admission tests like XAT, CAT, GMAT and others. "While the university has recruited a number of teachers to run this course, a set of guest faculties from the industry and teachers from other renowned business schools are also empanelled. Since St Xavier's University is a member of the Xavier Association of Management Institutes, the intake may later be restricted to XAT and a few other examinations only," the VC said.

Addressing the first batch of students of the MBA programme, Goenka, one of the most celebrated alumni of St Xavier's Collegiate School and St Xavier's College, said: "I am what I am because of the values St Xavier's has instilled in me."

THE ROAD AHEAD

Joy Sadhu Khan

Fr Felix Raj inaugurates the MBBS programme on Tuesday. To his left are St Xavier's alumnus Sanjkiv Goenka and pro-vice chancellor Fr Sebasti L Raj

- St Xavier's to apply for NAAC accreditation in 2020
- To launch integrated law school in 2019
- Plans on to have state-of-the-art sports academy
- University to approach state govt for land for sports academy
- Intake logistics for law and sports schools to be decided later

तारापोर स्कूल को मिला प्रतिष्ठित डॉ. जेजे ईरानी एक्सलेंस अवार्ड

जमशेदपुर : टाटा स्टील एजुकेशन एक्सेलेंस (टीईईपी) वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन आज टाटा ऑडिटोरियम एक्सएलआरआई में हुआ. समारोह के मुख्य अतिथि टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टीवी नरेन्द्रन थे.

वर्ष 2017 के लिए टाटा स्टील कॉरपोरेट सर्विसेज के वीपी व टीप के चेयरमैन सुनील भाष्करन, देवी कर और टीवी नरेन्द्रन द्वारा प्रदान किया गया.

शुरूआत में रेगुलर प्रोग्राम के तहत मुख्य पुरस्कारों की घोषणा हुई और अंत में मुख्य पुरस्कार घोषित किये गये. इस वर्ष का प्रतिष्ठित डॉ. जेजे ईरानी अवार्ड तारापोर एग्रिको और जेएच तारापोर स्कूल को प्रदान किया गया. दोनों स्कूलों को पहली बार यह पुरस्कार मिला है. स्कूल को कुल 1000 अंकों में से 600 से अधिक प्राप्त हुए.

टीईईपी (टाटा एजुकेशन एक्सेलेंस प्रोग्राम) को वर्ष 2003 में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए शुरू किया गया है. जमशेदपुर और आस-पास के 38 से अधिक स्कूलों ने इसमें हिस्सा लिया. इसमें 3500 शिक्षक व एक लाख विद्यार्थियों की सहभागिता रही है.

टीप रेगुलर प्रोग्राम के तहत मिले मुख्य पुरस्कार

पुरस्कार का नाम	अंक -	विजेता स्कूल
1. डॉ. जेजे ईरानी पुरस्कार	600 से अधिक	तारापोर एग्रिको, जेएच तारापोर स्कूल
2. शिक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि	550 से 599	जुस्को कदमा, मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल
3. शिक्षा उत्कृष्टता में असाधारण उपलब्धि -	500 से 549	जुस्को साउथ पार्क और केपीएस मानगो
4. शिक्षा उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण	450 से 499 -	एसएनएसवीएम घाटशिला, केपीएस बर्मामाइंस, उपलब्धि - विद्या भारती चिन्मया विद्यालय, टेल्को
5. शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए दृढ़ वचनबद्धता :	400 से 449 -	आरएमएस हाई स्कूल खूंटाडीह व काशीडीह हाई स्कूल.